साढ़े तीन घंटे बाद पहुंची जननी एक्सप्रेस

नवजात शिशु को लेकर परेशान होती रही प्रसूता और परिजन

(अदनान खान)

सलामतपुर, 20 जुलाई. दीवानगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में रविवार को जननी एक्सप्रेस 108 एम्बुलेंस की लापरवाही के चलते मरीजों और उनके परिजनों को घंटों अस्पताल परिसर में परेशान होना पड़ा.

सुबह 10 बजे डिस्चार्ज हो चुकी प्रसूता महिला रचना बाई पति लखन सिंह, निवासी शक्ति गांव (अंबाड़ी पंचायत), अपने नवजात शिशु के साथ अस्पताल परिसर में बैठी एंबुलेंस का इंतजार करती रही. परिजनों के अनुसार वे सुबह से लगातार 108 जननी एक्सप्रेस को कॉल कर रहे थे,

मगर हर बार यही जवाब मिल रहा था कि बस पहुंच रही है, मगर दोपहर 1 बजे तक भी कोई एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची. इस बीच मीडिया कर्मियों ने जब मामले की जानकारी सांची के बीएमओ डॉक्टर रवि प्रकाश राठौर को दी तो उन्होंने तत्काल सांची से 108 एंबुलेंस रवाना करवाई, जो लगभग 1:30 बजे दीवानगंज अस्पताल पहुंची. इसके बाद मरीज को घर ले जाया जा सका.

40 गांवों की महिलाएं परेशान

स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले दीवानगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दो जननी एक्सप्रेस और 108 एंबुलेंस हमेशा खड़ी रहती थीं, मगर बीते कुछ महीनों से इन एंबुलेंस को अन्य स्थानों पर भेज दिया गया है. इसके कारण दीवानगंज सहित आसपास के करीब 40 गांव की गर्भवती महिलाओं और अन्य मरीजों को अस्पताल से घर पहुंचने में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. जननी एक्सप्रेस 108 एंबुलेंस के समय पर उपलब्ध नहीं होने से आए दिन मरीजों को परेशान होना पड़ रहा है, मगर जिम्मेदार विभाग और जिला प्रशासन इस लापरवाही पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा. अगर समय रहते इस व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो किसी दिन किसी गंभीर मरीज की जान पर भी बन सकती है. वर्तमान में 108 एंबुलेंस या तो सूखी सेवनिया से आती है या सांची से आती है या फिर ईंटखेड़ी भोपाल से आ रही है, जबकि अगर दीवानगंज में ही उपलब्ध हो तो मरीजों को जल्द उपचार मिल सकता है.

इनका कहना है

108 जननी एक्सप्रेस एंबुलेंस स्वास्थ्य विभाग के प्रत्यक्ष नियंत्रण में नहीं है, इसे एक अलग एजेंसी संचालित करती है. कई बार उनके जिला कोऑर्डिनेटर को इस तरह की लापरवाही को लेकर नोटिस भी दिए जा चुके हैं, मगर अब तक सुधार नहीं हुआ.

डॉ. रविप्रकाश राठौर, बीएमओ सांची.

सुबह से लगातार 108 जननी एक्सप्रेस को कॉल कर रहे थे, मगर हर बार यही जवाब मिल रहा था कि बस पहुंच रही है मगर दोपहर 1 बजे तक भी कोई एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची.

-फूल सिंह, मरीज के परिजन.

सिद्दीकी बने कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 20 जुलाई. जिले के कांग्रेस नेता रहे स्व.अनीस अहमद सिद्दीकी के पुत्र आदिल सिद्दीकी को मप्र कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रांतीय अध्यक्ष शेख अलीम एडवोकेट ने मप्र कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी की अनुशंसा एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी के आदेश एवं विभाग के प्रभारी निजामुद्दीन कुरैशी की सहमति से जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है. युवा नेता आदिल के जिलाध्यक्ष बनने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व विधायक देवेंद्र पटेल सिलवानी विधानसभा क्षेत्र, पूर्व विधायकद्वय देवेंद्र पटेल (बरेली), ठा. भगवान सिंह बरेली, हाजी अब्दुल मजीद तिलेंडी, पार्षद अकरम पटेल, अहमद अली, साकिर मंसूरी, जफर शाह बेगमगंज, अकरम खान, रेहान खान एडवोकेट, जमशेद सिद्दीकी, शमीम काजी, इल्यास ताज, वसीम खान, लतीफ खान सिलवानी, शाहिद अंसारी, मोहम्मद अली, एहतेशाम बेग गैरतगंज इत्यादि सहित जिले भर के सभी कांग्रेसजनों द्वारा उन्हें बधाई देते हुए प्रांतीय एवं राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार प्रदर्शन किया है.

गलती हुई है तो उसका पश्चाताप करो

मंदिर परिसर में मंत्रोच्चार के बीच की गई कलश स्थापना

नवभारत न्यूज

सिलवानी, 20 जुलाई. निग्रंथ मुनिराज 24 घंटे में मात्र एक बार ही आहार ग्रहण करते हैं. मुनिराजों के द्वारा मात्र एक बार ही आहार लिए जाना दुनिया के वैज्ञानिको के लिए अन्वेषण का विषय बनता जा रहा है. आखिर क्या कारण है कि मुनिराज एक समय आहार के बाद भी स्वस्थ रहते हैं. यह उद्गार मुनि साक्ष्य सागर महाराज ने रविवार को पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में प्रवचन की कड़ी में समाजजनों के बीच व्यक्त किए.

उन्होंने बताया कि सम्यक दर्शन प्राप्त करना है तो अनंतानंद बंधी कषाय के परिणामों को समाप्त करना होगा, कषायों को समाप्त किए बगैर सम्यक दर्शन होना संभव नहीं है. जैसे-जैसे व्यक्ति समता भाव धारण करता जाता है उसे धैर्य प्राप्ति होती जाती है.

मुनि पद का विस्तार से वर्णन करते हुए मुनि साक्ष्य सागर ने बताया कि महा मुनिराज दिगंबर होते हैं वह तपो वन में होते है. मुनिराज दिगंबर रहने के साथ ही निग्रंथ व निस्प्रह ही होते है. जिनका मन पर नियंत्रण हो चुका है, वासना का शमन हो चुका है, वहीं मुनिराज निग्रंथ, दिगंबर कहलाते हैं. परिग्रह रखने वाले कभी भी साधु नहीं हो सकते हैं. उन्होंने बताया कि जिनके कर्मों का क्षय हो चुका है, नष्ट हो चुके हैं, वे सिद्धता को प्राप्त कर चुके हैं. जिस प्रकार जला हुआ बीज कभी भी अंकुरित नहीं हो सकता उसी प्रकार कर्म क्षय होने के बाद व्यक्ति जमीं पर नही रह सकता.

मुनि साक्ष्य सागर व मुनि निवृत्त सागर महाराज के सानिध्य में मंदिर परिसर में मंत्रोच्चार के साथ चातुर्मास कलश स्थापना कार्यक्रम के दौरान समाजजनों के द्वारा लिए गए कलशों को रविवार को मंदिर परिसर में श्रद्धा भाव के साथ विराजित किए गए. यहां पर बाल ब्रम्हचारी भोला भैया व संतोष जैन कक्का के द्वारा विधि विधान के साथ विराजित कराए गए. यह कलश चातुर्मास निष्ठापन के उपरांत कलश लेने वाले समाजजनो को दिए जाएंगे.

गलती का दोष दूसरों को न दो

मुनिश्री ने बताया कि गलती की है तो उस गलती का दोषारोपण किसी दूसरे पर ना करो, गलती की गई है तो उस गलती का पश्चाताप करो, यदि गलती करने पर दोष दूसरो पर डाला गया तो वह जीव पाप का भागीदार तो बनता ही है, बल्कि दूसरे का दिल दुखाने का पाप भी लगता है. समाजजनों को मुनि निवृत्त सागर महाराज ने भी संबोधित किया. उन्होंने बताया कि संसारी जीव राग, द्वेष, परिग्रह करने में लगा हुआ है, उसे यह सब आडंबर छोड़ कर कल्याणकारी मार्ग पर कदम बढ़ाने चाहिए, ताकि स्वयं का कल्याण हो सके. उन्होंने आत्मा के 3 भेदों को विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि आत्मा के तीन भेद परमात्मा, अंतरात्मा, बहिरात्मा होते है. आत्मा में लीन होने के लिए बहिरात्मा को छोड़ना पड़ेगा.

कुशवाहा बने लव कुश कार्यक्रम के अध्यक्ष

कुशवाहा समाज की बैठक में उत्सव की रूपरेखा तय

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 20 जुलाई. कुशवाहा विकास मंच तहसील बेगमगंज के तत्वावधान में बैठक का आयोजन किया गया जिसमें सर्वप्रथम श्री लव कुश की पूजा आरती की गई.

तत्पश्चात सभी समाज बंधुओ ने साहब सिंह कुशवाहा ग्राम सागोनी को लव कुश जन्मोत्सव अध्यक्ष पद पर चुना गया सभी ने साहब सिंह कुशवाहा को बधाई दी. श्री लव कुश जन्मोत्सव कार्यक्रम 24 अगस्त रविवार को मनाया जाएगा जिसको लेकर रूपरेखा तैयार की गई और विभिन्न लोगों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं. बैठक में कुशवाहा विकास मंच के सभी संरक्षक तहसील अध्यक्ष विनोद कुशवाहा, सचिव खिलान सिंह कुशवाहा, भगवान दास कुशवाह, आसाराम कुशवाहा, मुंशीलाल कुशवाहा, मानक दादाजी चंदोरिया, गुड्डु कुशवाहा, शिवराज सिंह उदका, विनोद कुमार, परशु भैया, बाबू बजरंगी सिंह कुशवाहा,कपिल, मुकेश,विनोद, हर्ष कुशवाहा, विवेक कुशवाहा, गोलू पटेल, मेहताब सिंह, महिला मंडल में तहसील अध्यक्ष अंगूरी कुशवाहा, पूर्व तहसील अध्यक्ष जानकी कुशवाहा व अन्य सभी समाज बंधु उपस्थित थे.

नर्मदा जल से आज कांवड़ यात्री करेंगे जलाभिषेक

सिलवानी, 20 जुलाई. सावन माह में श्रद्धालु में भगवान शिव के प्रति आस्था व निष्ठा का सैलाब देखा जा रहा है. श्रद्धालु कांवड़ में जल भर कर कई किलो मीटर पैदल चल कर सावन माह के दूसरे सोमवार को जलाभिषेक करेंगे. बताया जा रहा है कि ग्राम डाबरी के युवा नर्मदा नदी बौरास से रविवार सुबह माँ नर्मदा की पूजा अर्चना के बाद कांवड़ में नर्मदा नदी का जल भर कर जयकारा लगाते हुए ग्राम के लिए रवाना हुए. करीब 50 किलोमीटर का सफर पैदल तय कर कांवड़ यात्री देर रात ग्राम डाबरी पहुंचेंगे. जो कि सोमवार सुबह शिवालय में पूजा अर्चना कर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेगें.

डंपर के हुए ब्रेक फेल

बालमपुर घाटी उतरते समय हुआ हादसा

नवभारत न्यूज़

सलामतपुर, 20 जुलाई. भोपाल से विदिशा की ओर जा रहा एमसेंट से भरा डंपर बालमपुर घाटी के पास हादसे का शिकार हो गया.

जानकारी के अनुसार, भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे-18 पर बालमपुर घाटी उतरते समय डंपर एमपी04 एचई 5271 के अचानक ब्रेक फेल हो गए.ब्रेक फेल होने के कारण डंपर अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गया और घाटी के पास बने एक ढाबे के पास आम के पेड़ से टकरा गया. हादसे के समय ढाबे के आसपास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया.वहीं डंपर चालक को मामूली चोटें आई हैं.

भोपाल विदिशा स्टेट हाइवे 18 की बालमपुर घाटी पर भी सप्ताह में एक दो हादसे हो रहे हैं जिसमें कई वाहन चालक अपनी जान गवां चुके हैं. और कई लोग घायल भी हो चुके हैं.

फिर भी बालमपुर घाटी पर ज़िम्मेदार अधिकारियों द्वारा दुर्घटनाएं रोकने के लिए कोई सुरक्षित उपाय नही किये जा रहे हैं. जिसकी वजह से आए दिन बालमपुर घाटी पर सड़क दुर्घटनाओं में वाहन चालक अपनी जान गंवा रहे हैं. कुछ माह पहले हो रहे हादसों को रोकने के लिए एमपीआरडीसी ने टूटी हुई रेलिंग की जगह सीमेंट की बोरियां भरकर उसमें रेडियम लगवा दिए थे. ताकि सड़क हादसे रोके जा सकें.

इनका कहना है

स्टेट हाइवे 18 पर यातायात का अत्यधिक दबाव रहता है. घाटी पर अंधा मोड़ होने की वजह से भी दुर्घटनाएं हो रही हैं. यहां पर सुरक्षा की दृष्टि से कोई भी संकेतक बोर्ड नहीं लगाए हैं. इसीलिए यहां पर आए दिन हादसे बढ़ रहे हैं. इस हाइवे को शीघ्र ही फोरलेन किया जाए. लोग तो अब इस सड़क को खूनी सड़क भी कहने लगे हैं.

-रघुवीर सिंह मीणा
सरपंच राताताालाई

मानव श्रृंखला बनाकर दिया नशामुक्त समाज का संदेश

बेगमगंज, 20 जुलाई. नशा मुक्ति पखवाड़े के अंतर्गत थाना प्रभारी राजीव उइके के नेतृत्व में नया बस स्टैंड पर युवाओं एवं आमजन को हर प्रकार के नशे से दूर रहकर बर्बाद होते जीवन को बचाने की अपील के साथ पुलिसकर्मियों सहित युवाओं एवं समाज सेवियों द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर समाज को संदेश दिया कि नशामुक्त समाज बनाकर परिवार एवं देश के लिए हम अच्छा काम कर सकते हैं. थाना प्रभारी राजीव उइके ने कहाकि आज की युवा पीढ़ी विभिन्न प्रकार के नशे से ग्रस्त होकर अपना जीवन एवं परिवार को बर्बादी की कगार पर ले जा रही है.

गबन के आरोपी प्राचार्य का जिले से बाहर तबादला

बाड़ी, 20 जुलाई. शिक्षा विभाग के संकुल केन्द्र शास. कन्या उ. मा.शाला बाड़ी में पदस्थ प्राचार्य का जिले से बाहर तबादला कर दिया गया है. विवादास्पद कार्यप्रणाली से हमेशा विवादों और आरोपों से घिरे रहने वाले प्राचार्य पर गबन के आरोप में प्राथमिकी भी दर्ज है. आश्चर्यजनक है कि प्राचार्य के स्थानांतरण आदेश को भोपाल से रायसेन पहुंचने में दो माह का समय लग गया.

प्राप्त जानकारी के अनुसार संकुल केन्द्र शास कन्या उ. मा.शाला बाड़ी में पद्स्थ प्राचार्य घनश्याम मेहर का सीहोर जिले के भैरुंदा विकासखंड अंतर्गत शास. उ.मा .शाला गोपालपुर में स्थानांतरण कर दिया गया है. सूत्रों के अनुसार स्थानांतरित प्राचार्य चिकित्सा अवकाश लेकर स्थानांतरण आदेश को निरस्त कराने की जुगत भिड़ाने में लगे हैं.

आश्चर्यजनक है कि 28 मई 2025 को स्कूल शिक्षा विभाग के उप सचिव कमल सोलंकी व्दारा हस्ताक्षरित स्थानांतरण आदेश क्रमांक 789/ 2582165/ 2025/20-1 को रायसेन जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय तक पहुंचने में दो माह का समय लग गया. जबकि वर्तमान में अमूमन सभी आदेश डिजिटल माध्यमों से भेजे जा रहे हैं. इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि उप-सचिव द्वारा भेजे गए स्थानांतरण आदेश को दबाकर रखा गया था.

गौरतलब है कि स्थानांतरित हुए प्राचार्य का कार्यकाल बाड़ी में विवादों और आरोपों से घिरा रहा है. मनमानी, षड्यंत्र द्वेषता से ग्रसित होकर कार्रवाई करने, मातहत शिक्षकों को अनावश्यक प्रताड़ित करने के आरोपों के साथ-साथ सिलवानी विकास खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में हुए करीब सवा करोड़ के आर्थिक घोटाले में दर्ज प्राथमिकी में स्थानांतरित प्राचार्य भी आरोपी हैं. यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है. उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य पद पर रहते हुए भी उक्त प्राचार्य पर कई गंभीर आरोप लगे थे. मामले थाना और न्यायालय तक भी पहुंचे थे.

ग्रामीण की गाय गुमी पुलिस को दिया आवेदन

सलामतपुर, 20 जुलाई. थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में 14 जुलाई 2025 को एक ग्रामीण की गाय गुम हो जाने का मामला सामने आया है. इस संबंध में पीड़ित जगदीश रैकवार निवासी नीनोद ने रविवार के दिन पुलिस को लिखित आवेदन देकर गाय को तलाशने की मांग की है. ग्रामीण ने आवेदन में बताया कि उसकी गाय गुम हो गई है कई जगह तलाश करने के बाद भी कोई पता नहीं चल सका है. वहीं जगदीश ने बताया कि गाय के लापता होने से परिवार के सभी सदस्य दुखी हैं. उन्होंने बताया कि गाय उनके परिवार के सदस्य की तरह थी.

अभाविप की नवीन कार्यकारिणी घोषित

उमेश कुशवाह अध्यक्ष, शुभम नामदेव मीडिया संयोजक बने

नवभारत न्यूज

सिलवानी, 20 जुलाई. छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी की नगर कार्यकारिणी में पदाधिकारियों का निर्वाचन किए जाने को लेकर बैठक आयोजित की गई, जिसमें पदाधिकारियों का निर्वाचन सर्व सहमति से किया गया. यहां पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे.

निर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, उपाध्यक्ष ओम सोनी, मंत्री आकाश साहू, सह मंत्री दीपेश पुरी, अतुल यादव, संयोजक अरुण साहू, सह संयोजक सचिन कुशवाह, मीडिया संयोजक शुभम नामदेव, सह मीडिया संयोजक ऋषि नेमा, संयोजक दीपांश गोस्वामी, सह संयोजक अभिषेक राय, कला मंच प्रमुख हर्षित सैनी, वरुण चौरसिया, खेलों भारत संयोजक आशीष दीक्षित, विद्यालय प्रमुख वीर चंदेल, सह प्रमुख आकाश पटेल, एनएसएस संयोजक रवि यादव, सह संयोजक नीरज विश्वकर्मा चुने गए. कार्यकारणी सदस्यों में कार्तिक यादव, अमित पारासर, मिथलेश कुशवाह, अनुज यादव, सूरज सेन आदि शामिल किए गए. निर्वाचन के दौरान भाग संयोजक जय यादव, जिला संयोजक शुभम सेन, अनिल साहू विशेष रुप से मौजूद रहे. निर्वाचित पदाधिकारियो को मित्रों, परिजनों, शुभचिंतकों ने शुभकामना दी.

धार्मिक आयोजन | **ग्राम सुनेहरा में पार्थिव शिवलिंग निर्माण अनुष्ठान प्रारंभ**

ज्योतिर्लिंग सकारात्मक ऊर्जा, शक्ति के प्रतीक : शास्त्री

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 20 जुलाई. पार्थिव शिवलिंग निर्माण के दिव्य अनुष्ठान के प्रथम दिवस पर विधिवत रुद्रमहाभिषेक संपन्न किया गया.

कमलेश कृष्ण शास्त्री महाराज द्वारा ग्राम सुनहरा में सवा लक्ष पार्थिव शिवलिंग निर्माण अनुष्ठान के प्रथम दिवस पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए पं. शास्त्री ने कहा कि जिनके ऊपर स्वयं पितरों की कृपा, भगवत कृपा और भगवान भोलेनाथ की कृपा होती है, वही लोग ऐसे दिव्य और भव्य आयोजनों में सम्मिलित हो पाते हैं. यह सब भोलेनाथ की विशेष अनुकंपा का ही परिणाम है.

महाराज श्री ने 12 ज्योतिर्लिंगों के महत्व का भी वर्णन किया और बताया कि ये ज्योतिर्लिंग हमारे जीवन के हर क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा, शक्ति, और भय से मुक्ति का प्रतीक हैं. सोमनाथ से लेकर रामेश्वरम् तक हर ज्योतिर्लिंग के दर्शन से जीवन का कल्याण होता है और इनका स्मरण भी पुण्य देने वाला होता है.

आजकल के युवक-युवतियां अपनी इच्छा पूरी करने के लिए माता-पिता की भावनाओं को ठेस पहुंचाकर घर से भाग कर शादी कर लेते हैं, लेकिन ऐसा करना न केवल उनके माता-पिता के लिए दुखदायी होता है, बल्कि स्वयं उनके जीवन में भी अनेक समस्याओं को जन्म देता है. मां-बाप के आशीर्वाद के बिना किया गया कोई भी कार्य पूर्ण सुखदायी नहीं होता.

जब हम मंदिर जाएं तो हमें क्रोध, अहंकार और जल्दबाज़ी को छोड़ देना चाहिए. आजकल मंदिरों में दर्शन के लिए धक्का-मुक्की, विवाद, और अनुशासनहीनता देखने को मिलती है, जो उचित नहीं है.

मंदिर में तो शांत भाव से भगवान का भजन करना चाहिए, वहीं सच्चे दर्शन होते हैं. आज रिश्तों की नींव कमजोर होती जा रही है. जहां कभी परिवार प्रेम, सम्मान और एकता का दूसरा नाम हुआ करता था, आज वहीं भाई-भाई के बीच स्वार्थ और ईर्ष्या की दीवार खड़ी हो गई है.

यह स्थिति केवल इसलिए उत्पन्न हुई है क्योंकि हमारी सोच, संस्कार और जीवन का उद्देश्य बदल गया है. सनातनियों की सबसे पहली भाषा हिंदी होनी चाहिए. आज लोग अंग्रेजी बोलने को ही सभ्यता और सफलता का प्रतीक मानने लगे हैं, लेकिन यह एक बहुत बड़ी भूल है. अंग्रेजी सीखना बुरा नहीं है, परंतु अपनी मातृभाषा का अपमान करना, उसे छोटा मानना और उसके प्रयोग में संकोच करना घोर अधर्म के समान है.

संसार में सबसे बड़ी संपत्ति धन, गाड़ी, मकान या सोना-चांदी नहीं है, बल्कि अगर कोई सबसे मूल्यवान संपत्ति है तो वह है रोग मुक्त शरीर क्योंकि जब शरीर स्वस्थ है, तभी मन प्रसन्न रहता है, बुद्धि ठीक से कार्य करती है, और जीवन के हर लक्ष्य को प्राप्त करना संभव होता है.